



विदेश मंत्री  
भारत



Minister of External Affairs  
India



## संदेश

पासपोर्ट सेवा दिवस 2023 के अवसर पर भारत और विदेशों में हमारे सभी पासपोर्ट जारीकर्ता प्राधिकरणों और केंद्रीय पासपोर्ट संगठन के हमारे सहयोगियों का अभिवादन करना मेरे लिए प्रसन्नता की बात है। पासपोर्ट अधिनियम 1967 में जिस दिन लागू हुआ उस दिन की स्मृति में, हासिल की गई उपलब्धियों का जायजा लेने और पासपोर्ट सेवाओं के वितरण में उच्चतम मानकों को प्राप्त करने के हमारे संकल्प की पुष्टि करने का भी यह एक अवसर है।

कोविड-19 महामारी के पश्चात, मुझे खुशी है कि मंत्रालय ने दैनिक अपोइंटमेंट की संख्या में वृद्धि करके और सप्ताहांत में विशेष अभियान आयोजित करके पासपोर्ट संबंधी सेवाओं की मांग में वृद्धि की चुनौती को पूरा किया और वर्ष 2022 में रिकॉर्ड 13.32 मिलियन पासपोर्ट और विविध सेवाएं प्रदान की, जो वर्ष 2021 से 63 प्रतिशत की वृद्धि दर्शाता है।

हम जल्द ही पासपोर्ट सेवा कार्यक्रम (PSP) वर्जन 2.0 शुरू करेंगे, जिसमें नए और उन्नत ई-पासपोर्ट शामिल होंगे। नागरिकों के लिए 'ईज ऑफ लिविंग' को बढ़ाने के प्रधानमंत्री जी के दृष्टिकोण के अनुरूप, ये पहलें "EASE" के एक नए प्रतिमान की शुरुआत करेंगी:

- E: डिजिटल ईको-सिस्टम का उपयोग करके नागरिकों के लिए उन्नत पासपोर्ट सेवाएं
- A: आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस द्वारा संचालित सेवा वितरण
- S: चिप-सक्षम ई-पासपोर्ट का उपयोग करते हुए आसान विदेश यात्रा
- E: बढ़ी हुई डेटा सुरक्षा

mपासपोर्ट सेवा मोबाइल ऐप, mपासपोर्ट पुलिस ऐप, डिजिलॉकर के साथ PSP का एकीकरण और 'कहीं से भी आवेदन करें' योजना जैसे मील के पथरों के साथ PSP ने 'डिजिटल इंडिया' के भारत सरकार के लक्ष्य की दिशा में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। देश में वर्ष 2014 में 77 पासपोर्ट सेवा केंद्र (PSKs) थे, यह संख्या 7 गुना बढ़कर आज 523 हो गई है। POPSK के संदर्भ में, मैं डाक विभाग और राज्य पुलिस प्राधिकारियों की भूमिका की सराहना करता हूँ।

मैं कई राज्यों में पासपोर्ट सेवा केंद्रों का दौरा करता रहा हूँ। इसी तरह के दौरे मेरे मंत्रीगण सहयोगियों और मंत्रालय के वरिष्ठ अधिकारियों द्वारा भी किए गए थे। इन यात्राओं ने हमें शासन परिचालन और नीति के स्तरों के बीच एक अनुरूपता बनाने में सक्षम बनाया है। भविष्य में भी इस तरह के प्रयासों में कमी नहीं आने दी जाएगी।

अंत में, मैं नागरिकों को समय पर, विश्वसनीय, सुलभ, पारदर्शी और कुशल तरीके से पासपोर्ट और संबंधित सेवाएं प्रदान करने की हमारी प्रतिज्ञा को नवीनीकृत करने के लिए भारत और विदेश में हमारे सभी पासपोर्ट जारी करने वाले अधिकारियों का आह्वान करता हूँ।

डॉ. सु. जयशंकर

वसुधैव कुटुम्बकम्  
ONE EARTH • ONE FAMILY • ONE FUTURE

172, South Block, New Delhi-110011 Tel : 91-11-23011127, 23011165 Fax : 91-11-23011463

E-mail : [diream@mea.gov.in](mailto:diream@mea.gov.in)



विदेश मंत्री  
भारत



Minister of External Affairs  
India



### MESSAGE

It is a matter of pleasure for me to felicitate all our Passport Issuing Authorities in India and abroad and our colleagues from the Central Passport Organization on the occasion of Passport Seva Divas 2023. This day, when the Passports Act came into force in 1967, is also an occasion to take stock of what has been achieved and to reaffirm our resolve to strive for attaining the highest standards in delivery of passport services.

Post Covid-19 pandemic, I am happy that the Ministry rose to meet the challenge of surge in demand for passport related services by increasing the number of daily appointments and organising Special Drives over the weekends and processed a record 13.32 million passports and miscellaneous services in 2022, marking an increase of 63 per cent from the year 2021.

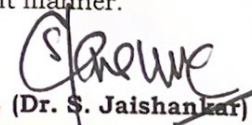
We will soon be embarking on Passport Seva Programme (PSP) Version 2.0, including new and upgraded e-passports. In line with the Prime Minister's vision of enhancing the 'Ease of Living' for citizens, these initiatives will usher in a new paradigm of 'EASE':

- E: Enhanced passport services to citizens, using a digital eco-system
- A: Artificial Intelligence powered service delivery
- S: Smoother overseas travel using chip-enabled e-passports
- E: Enhanced data security

PSP has significantly contributed towards the Government's goal of a 'Digital India', with milestones such as mPassport Seva Mobile App, mPassport Police App, integration of PSP with DigiLocker, and the 'apply from anywhere' scheme. While in 2014, there were 77 Passport Seva Kendras (PSKs) in the country, this number has increased 7-fold and stands at 523 today. In the context of POPSKs, I would like to acknowledge the role of Department of Posts and state police authorities as esteemed partners.

I have been visiting Passport Seva Kendras in several states. Similar visits were also undertaken by my Ministerial colleagues and senior officials of Ministry. These visits have enabled us to build a congruence between the levels of policy and operational governance. There will be no slowing down of such efforts in future as well.

In closing, I would like to call on all our Passport Issuing Authorities in India and abroad to join me in renewing our pledge to provide passport and related services to citizens in a timely, reliable, accessible, transparent and efficient manner.

  
(Dr. S. Jaishankar)

वसुधैव कुटुम्बकम्

ONE EARTH • ONE FAMILY • ONE FUTURE